ont>

Title: Need to protect the interest of power loom industry in the country.

श्री हरीभाऊ शंकर महाले (मालेगांव) : उपाध्यक्ष महोदय, देश भर में आज 17 लाख यंत्रमार्ग कार्यरत हैं जिन पर आज 4 करोड़ लोगों की रोजी-रोटी निर्भर है। सन 2003-2004 अर्थसंकल्प में यंत्रमार्ग पर सैनव्हैट आबकारी कर घोाित किया गया। हर व्यक्तिगत यंत्रमार्ग धारकों को आबकारी कर दायरे में नोंद करना, कर भरना तथा बही चोपडा रख के सारा व्यवहार करना होगा। आज देश का 72 प्रतिशत कपड़ा व्यक्तिगत यंत्रमार्ग पर तैयार होता है। सैनव्हेट के कारण गरीब 4/8 यंत्रमार्ग के मालिक भयग्रस्त होकर 31 मार्च, 2003 से आज तक अपने यंत्रमार्ग बंद रखे हैं। इस व्यवसाय में 80 फीसदी लोग कोस्टी, मोमीन, जुलाहा, साली तथा मागासवर्गीय समाज के हैं। आपके माध्यम से विनती है कि भारत सरकार सैनव्हेट तुरन्त रद्द करें।